बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी

त्रिगुट पर्वत मंदिर माँ दा पिंडी रूप बनाया,
बारा महीने भगता ने माँ दर ते मेला लाया,
बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी,

हाथी मथे दी कठिन चढ़ाइयाँ चढ़ दे पैर नि थकदे,
दर मैया दे आने वाले भगत कड़े नहीं रुकदे,
बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी,

ठंडी ठंडी हवा जे चलदी मोर भी पेला पौंदे,
लंगर वीर भेरो बाबा दर ते हज़ारी लौंदे
बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी,

धन्य हो भगत माँ गुलशन तेरा जिहने लंगर तेरा चलाया,
दुरा दुरा ते आई के भक्ता के लंगर दा भोजन खाया,
बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी,

जेहड़ी भी सुखना करदे दर ते सारिया पुरिया हुंडिया,
तेरी शक्ति न जाने माँ तेरी सारी दुनिया,
बोलो जय मैया दी बोलो जय वैष्णो दी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8726/title/bolo-jai-maiya-di-bolo-jai-vashino-di

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |